ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 20 जनवरी 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 256

इतिहास रचते हुए नितिन नबीन बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

संगठन और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर, मोदी बोले- अब मेरी सीआर नितिनजी लिखेंगे



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के तहत मंगलवार को नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। नए अध्यक्ष के रूप में उनका नाम भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में घोषित किया गया। नबीन पहले 14 दिसंबर 2025 को कार्यकारी अध्यक्ष बने थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नबीन को माला पहनाकर भव्य स्वागत किया और कहा, “आज का पल हमारे लिए विशेष है। मैं भी अपने काम का आकलन कर रहा था, अब नितिनजी मेरी CR लिखेंगे।” नबीन ने अपनी पहली अध्यक्षीय स्पीच में कहा, “राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरा निर्वाचन साधारण कार्यकर्ता की असाधारण यात्रा का सम्मान है। हम ‘राष्ट्र पहले, पार्टी बाद में, और खुद सबसे आखिर में’ के आदर्श पर काम करेंगे।” उन्होंने पार्टी के नारों और ऐतिहासिक उपलब्धियों को याद करते हुए कहा, “भाजपा के कार्यकर्ताओं ने राम मंदिर के मार्ग प्रशस्त होने और जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने जैसे महत्वपूर्ण क्षण देखे। अब हमारा कर्तव्य है कि हम राष्ट्र और संगठन को सर्वोपरि रखें। राजनीति सत्ता नहीं, साधना है; राजनीति भोग नहीं, त्याग है।” कार्यक्रम में पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, पूर्व महापौर युधिष्ठिर कुमावत, पूर्व अध्यक्ष मांगीलाल जोशी, रवींद्र श्रीमाली, दिनेभट्ट, रजनी डांगी, चंद्रसिंह कोठारी, गोविंद टाक, महामंत्री पारस सिंघवी, देवीलाल सालवी, डॉ. पंकज बोराणा, जिला उपाध्यक्ष करणसिंह शक्तावत, मंडल पदाधिकारी दिग्विजय श्रीमाली, जगदीश शर्मा, अध्यक्ष विजय आहुजा सहित कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए घुसपैठियों और परिवारवाद की चुनौतियों पर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, “जो कांग्रेस की बुराइयों से बचेगा, वही आगे बढ़ेगा। देश के युवाओं को राजनीति में लाना हमारी प्राथमिकता है।” नबीन के समर्थन में 37 वैध नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे, जिससे वे निर्विरोध अध्यक्ष बने। नबीन ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी ताकत है, और संगठन का विस्तार उन राज्यों में होगा जहां अब तक पार्टी कमजोर रही है, जैसे बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और असम। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नबीन को मिठाई खिलाकर बधाई दी। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. सीमा चंपावत ने बताया कि यह कार्यक्रम भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया और संगठन की लोकतांत्रिक प्रक्रिया तथा कार्यकर्ता केंद्रित सोच का प्रतीक है।



सागवाड़ा नगर पालिका में राजनीतिक अखाड़ाः निलंबित हुए अध्यक्ष नरेंद्र खोड़निया



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। सागवाड़ा नगर पालिका इन दिनों राजनीतिक खेल का अखाड़ा बन गई है। सात दिन पहले न्यायालय के स्टे आदेश के बाद कांग्रेस के नरेंद्र खोड़निया अध्यक्ष पद पर लौटे थे, लेकिन अब उन्हें फिर से निलंबित कर दिया गया है। खोड़निया पर पद का दुरुपयोग, गलत पट्टे जारी करने और नाले की जमीन पर पट्टे देने के गंभीर आरोप हैं। सूत्रों के अनुसार, खोड़निया ने अध्यक्ष रहते हुए एम्पावर्ड कमेटी के माध्यम से अपने भाई संतोष कुमार खोड़निया और बेटे सुमित खोड़निया के नाम पर अनैतिक लाभ के लिए पट्टे जारी किए। इसमें 2.06 बिस्वा और 4462 वर्गगज जमीन, साथ ही 7275 वर्गगज जमीन को नियम विरुद्ध रूप से आवासीय पट्टों में बदला गया। जांच में यह भी पाया गया कि मूल सत्यापित प्लान में मौजूद 30 फीट सड़क की जमीन को अनैतिक रूप से अपने परिवार के लाभ के लिए शामिल किया गया। स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक और विशेष सचिव प्रतीक चंद्रशेखर जुईकर ने मंगलवार को निलंबन आदेश जारी किया। जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि खोड़निया ने न्यायिक जांच को प्रभावित करने की संभावना को देखते हुए नियमों का उल्लंघन किया। पूर्व में, खोड़निया को 10 अप्रैल 2025 को सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित किया गया था। इसके बाद 12 जनवरी को राजस्थान हाईकोर्ट ने उनके निलंबन पर स्टे आदेश जारी किया था। 14 जनवरी को वह फिर से अध्यक्ष पद पर लौटे थे, लेकिन सात दिन के भीतर दो अध्यक्ष एक ही टेबल पर बैठे रहे, जिससे पालिका में कोई विकास कार्य नहीं हो पाए और जनता असंतुष्ट रही। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही प्रमुख दल इस राजनीतिक खेल में उलझी हुई हैं। भाजपा की राज्य सरकार ने बाद में आशीष गांधी को नगर पालिका अध्यक्ष नियुक्त किया। गांधी के अध्यक्ष बनने के बाद विकास कार्यों में ठहराव आया और पालिका पूरी तरह से राजनीतिक अखाड़ा बन गई। सागवाड़ा की जनता इस स्थिति से खासा नाराज है, क्योंकि लंबे समय से नगर विकास कार्य रुके हुए हैं। अब प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि नियमों और कानून का पालन करते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सेंसेक्स 1066 अंक गिरकर 82180 पर बंदः ग्रीनलैंड पर ट्रम्प के कब्जे की जिद का असर, रियल स्टेट सेक्टर में 5% की गिरावट



24 न्यूज अपडेट

आज यानी, मंगलवार 20 जनवरी को सेंसेक्स 1065 अंक (1.28%) गिरकर 82,180 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 353 अंक (1.38%) की गिरावट रही। ये 25,233 के स्तर पर आ गया।

मार्केट एक्सपर्ट्स बाजार में गिरावट की बड़ी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की जिद को मान रहे हैं। इसके अलावा तीसरी तिमाही में रिलायंस जैसी बड़ी कंपनियों के मुनाफे में कमी भी इसका कारण माना जा रहा है।

सुबह बाजार की शुरुआत सुस्त रही और निफ्टी 100 अंक नीचे 25,500 के करीब ओपन हुआ। शुरुआती कुछ घंटों में बाजार ने खुद को संभालने की कोशिश की, लेकिन दोपहर होते-होते IT, फार्मा और बैंकिंग जैसे सेक्टर्स में बिकवाली तेज हो गई।

NSE का निफ्टी रियल्टी (रियल स्टेट) इंडेक्स 5% टूट गया। वहीं ऑटो और आईटी इंडेक्स में 2% से ज्यादा की गिरावट आई। इससे पहले 13 मई 2025 को सेंसेक्स 1,000 अंक से ज्यादा गिरा था। तब ये 1,281 अंक गिरकर 81,148 पर बंद हुआ था।

विधि एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष के पद पर अधिवक्ता मनीष श्रीमाली नियुक्त



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के विधि एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सिंह पूनिया ने अधिवक्ता मनीष श्रीमाली को विधि एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ, उदयपुर जिला का अध्यक्ष नियुक्त किया। मनीष श्रीमाली ने विधिक ज्ञान, अनुभव और मानवाधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के आधार पर इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी ग्रहण की है। उनके नेतृत्व में प्रकोष्ठ द्वारा आगामी दिनों में विधिक सहायता और मानवाधिकार सुरक्षा के क्षेत्र में सेवाएँ और भी सशक्त रूप से प्रदान की जाएँगी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से अपेक्षा करती है कि वे नए जिला अध्यक्ष को हर संभव सहयोग प्रदान करें और सामाजिक-न्याय व अधिकारों के संरक्षण में सहयोगी भूमिका निभाएँ।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की दो दिवसीय बैठक 31 से दिल्ली में, जैन जनगणना पर होगा मंथन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की दो दिवसीय बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल की अध्यक्षता में 31 से दिल्ली में आयोजित होगी। जिसमें विभिन्न मुद्दों के अलावा जैन जनगणना पर गहन मंथन होगा। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुन्दरलाल डागरिया ने बताया कि इस दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन मुख्य कार्यक्रम में जैन जनगणना आवश्यकता एवं पृष्ठभूमि,जैन जनगणना कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा,चारों संस्थानों के सरकारी मामलों को सुलझाने के लिए कॉमन न्युनतम कार्यक्रम, सभी राज्यों में महावीर जयंती सहित समस्त सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों का आयोजन चारों संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में किए जाने पर विचार,सरकार के समक्ष हेतु प्रमाणिक आँकड़ों के साथ मांग-पत्र प्रस्तुत करने पर विचार, सरकारी आँकड़ों एवं वास्तविक जनसंख्या में अंतर कम जनसंख्या दर्शाए जाने के कारण,एकजुटता एवं जागरूकता का आह्वान तथा सुझाव एवं विचार-विमर्श सत्र पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के विचार साझा किये जायेंगे। डागरिया ने बताया कि बैठक में सम्मेद शिखर गिरनार सिद्ध क्षेत्र पर भी विचार किया जायेगा। डागरिया ने बताया कि 108 प्रज्ञा सागर महाराज,राजेन्द्र सुरीश्वर महाराज,सुभद्रमुनि महाराज एवं आचार्य महाश्रमण का आशीर्वाद एवं सनिध्य मिलेगा। बैठक में देशभर से संस्था प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। उदयपुर से इस बैठक में सुन्दरलाल डागरिया,राजेश शाह,रोशनलाल चित्तौड़ा,अशोक जेतावत, राजेन्द्र कोठारी,रोशनलाल गदावत आदि भाग लेंगे।

उदयपुर में नितिन नबीन के भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्विरोध चुने जाने पर भव्य जश्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नबीन के निर्विरोध निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में मंगलवार सायं सूरज पोल चौराहा स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रतिमा स्थल पर भव्य आतिशबाजी और हर्षोल्लास का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। भाजपा जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ ने कहा कि नितिन नबीन का निर्विरोध चयन संगठन की एकजुटता, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के विश्वास का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी विकसित भारत के संकल्प को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगी। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अलका मुंदडा, शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, पूर्व महापौर युधिष्ठिर कुमावत, रजनी डांगी, चंद्रसिंह कोठारी, गोविंद टाक, महामंत्री पारस सिंघवी, देवीलाल सालवी, डॉ. पंकज बोराणा, जिला उपाध्यक्ष करणसिंह शक्तावत, मंडल पदाधिकारी दिग्विजय श्रीमाली, जगदीश शर्मा, अध्यक्ष विजय आहुजा सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई दी और संगठन की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा शहर और जिला पदाधिकारी तुषार मेहता, खुशबू मालवीय, डॉ. सीमा चंपावत, दुदाराम डांगी, गोविंद दीक्षित, ओम पारीख, मंडल अध्यक्ष सुनील चौधरी, रणजीत दिगपाल, पूर्व जिला मंत्री दीपक बोलिया, गजेंद्र भंडारी, युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष सन्नी पोखरना, जिनेंद्र शास्त्री, मोहित सुरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रदेश और जिला महिला-युवा मोर्चा, मंडल पदाधिकारी, वर्तमान व पूर्व पार्षद, शक्ति केंद्र संयोजक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और संगठन की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जताई। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. सीमा चंपावत ने बताया कि यह भव्य कार्यक्रम भाजपा शहर जिला उदयपुर द्वारा आयोजित किया गया।

टेवेल एजेंट एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल मिला टूरिज्म डिप्टी डायरेक्टर से



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 20 जनवरी। उदयपुर ट्रेवेल एजेंट एसोसिएशन (यूटीएए) के एक प्रतिनिधिमंडल ने पर्यटन विभाग की उप निदेशक शिखा सक्सेना से मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने उनके साथ शिष्टाचार बैठक कर उदयपुर में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे पहलों की समीक्षा की। इसमें सतत पर्यटन विकास के लिए नए अवसरों के बारे में वार्ता की गई। बैठक में एसोसिएशन के सदस्यों ने पर्यटन विकास को समर्थन देने के लिए नवीन प्रचार रणनीतियों और मजबूत साझेदारियों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में यूटीएए के अध्यक्ष विनीत दमानी एवं अन्य सदस्य मनोज सहायता, जितेंद्र अग्रवाल, सुनील राव, दीपक जैन, हितेन्द्र मेहता, निर्मल जैन, लियोनार्ड क्रिश्चियन, ताहिर उदयपुरवाला आदि उपस्थित रहे।

चांदी आज 15,370 बढ़कर 3.09 लाख के ऑलटाइम हाई परः20 दिनों में कीमत 79 हजार बढ़ी, सोना 3,463 बढ़कर 1.47 लाख पर पहुंचा



24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम आज यानी 20 जनवरी को लगातार दूसरे दिन अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार एक किलो चांदी आज पहली बार सर्राफा बाजार में 3 लाख के पार निकल गई है।

ये 15,370 रुपए बढ़कर 3,09,345 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल ये 2,93,975 रुपए पर थी। MCX पर चांदी कल ही 3 लाख के पार निकल गई थी। चांदी इस साल सिर्फ 20 दिनों में ही 78,925 रुपए महंगी हो चुकी है।

सोना 3,463 रुपए बढ़कर 1,47,409 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। कल ये 1,43,946 रुपए पर था। सोना इस साल अब तक 14,214 रुपए महंगा हो चुका है।

संपादकीय : आतंक की चुनौती

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया, जबकि सात अन्य घायल हो गए। सवाल है ? कि आखिर कश्मीर घाटी और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवाद पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है आतंकियों पर लगाम कसने के सरकार के दावों के बीच इस तरह के नापाक मंसूबे कैसे फलीभूत हो पा रहे हैं, इस पर नए सिरे से मंथन की जरूरत है। यह बात छिपी नहीं है कि भारत में आतंकवाद की जड़ें सीमा पार पाकिस्तान की जमीन में हैं। किश्तवाड़ जिले के सोननार क्षेत्र में जिन आतंकवादियों के साथ सुरक्षाबलों के जवानों की मुठभेड़ हुई, उनके विदेशी मूल के होने और पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की कही जा रही है। सुरक्षाबलों ने इन आतंकियों की धर- पकड़ के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया था। घाटी में इस तरह के अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि कश्मीर में सुरक्षाबलों का सूचना तंत्र मजबूत है, लेकिन इस तरह की वारदात में किसी जवान का शहीद हो जाना दुखद और चिंताजनक है। ऐसे में सीमा पार से आतंकी घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगाना सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है। केंद्र सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की बदौलत हाल के वर्षों में सीमा पर घुसपैठ की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लग गया है। अगर यह सच है, तो फिर ज्यादातर वारदात में विदेशी आतंकियों का नाम सामने क्यों आता है? दाचों और हकीकत के बीच के इस अंतर को समझने की जरूरत है। यह सवाल भी अहम है कि देश के भीतर सक्रिय आतंकियों के पास हथियार और गोला-बारूद कहां से आ रहा है और उनके वित्त पोषण का स्रोत क्या है ! आतंकी तंत्र के लिए हवाला के जरिए पैसे भेजने की बात जगजाहिर हो चुकी है, लेकिन अब इसमें क्रिप्टो करंसी का नाम भी जुड़ गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने दावा किया है कि जांच में 'क्रिप्टो हवाला' तंत्र का पता चला है, जो जम्मू-कश्मीर में विदेशी धन का अवैध प्रवाह कर रहा है। जाहिर है कि इस तरह के वित्त पोषण से न केवल आतंकियों के लिए हमले का सामान जुटाया जाता है, बल्कि अलगाववादी तत्त्वों को सक्रिय करने में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। सुरक्षाबलों के लिए यह एक नई चुनौती है। आतंकवाद का बढ़ता खतरा अब वैश्विक सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। आधुनिक तकनीक के दुरुपयोग से यह खतरा और भी व्यापक एवं भयावह होता जा रहा है। आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत भी शामिल है। हालांकि, हाल के वर्षों में देश के भीतर आतंकी वारदात में संख्या की लिहाज से कमी आई है, लेकिन लक्षित हमलों को और ज्यादा भीषण बनाने के प्रयास बढ़े हैं। वर्ष 2016 में पठानकोट हमला, 2017 में अमरनाथ यात्रियों पर हमला, वर्ष 2019 में पुलवामा हमला और पिछले वर्ष पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाने की घटना इसका उदाहरण है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि सीमा पार से घुसपैठ रोकने के साथ आतंकियों के वित्तपोषण के तंत्र को तोड़ने के लिए व्यापक एवं प्रभावी रणनीति तैयार की जाए।

लापरवाही की अति

हादसे किसी चूक का नतीजा हो सकते हैं, लेकिन यह संभव है कि इसकी पृष्ठभूमि में ऐसी व्यवस्थागत लापरवाहियां हैं, जिनकी आमतौर पर अनदेखी कर दी जाती है । उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 150 में शनिवार तड़के घने कोहरे के कारण एक कार पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में सत्ताईस वर्षीय युवक की जान चली गई। इसे रोजाना होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की तरह देखा जा सकता है, लेकिन हादसे के बाद युवक की मौत से पहले जैसी स्थिति सामने आई, उससे साफ है कि आपात स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने के लिए गठित तंत्र किस दुर्दशा और लापरवाही का शिकार है। इससे ज्यादा अफसोसनाक और क्या हो सकता है कि पानी से भरे गड्ढे में अपनी कार के साथ फंसा एक युवक करीब डेढ़ घंटे तक मोबाइल की रोशनी के साथ जान बचा लेने की गुहार लगाता रहा और मौके पर मौजूद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल तथा दमकल विभाग का दल वहीं खड़ा अपनी लाचारगी का रोना रोता रहे। खबरों के मुताबिक, बचाव दल के पास तैराक और पर्याप्त वैकल्पिक संसाधन नहीं थे। जाहिर है, युवक की मौत की मुख्य वजह हादसे के बजाय संबंधित महकमों की घोर लापरवाही, बचाव दल की अक्षमता और अपर्याप्त संसाधन थी । यह कल्पना भी तकलीफदेह है कि किसी आपदा या आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के साथ ज्यादा से ज्यादा इंसानी जान को बचाने के लिए गठित दलों की मौजूदगी के बावजूद एक युवक की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद ऐसे आरोप भी सामने आए कि कुछ दिन पहले वहां एक ट्रक भी हादसे का शिकार हुआ था। वहां इसी तरह की दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई थी और स्थानीय लोगों ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग भी की थी। मगर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी और विभाग को इसकी जरूरत महसूस नहीं हुई कि वहां मजबूत घेरा और जोखिम के मद्देनजर संकेतक लगवा दिया जाए। अब सरकार ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को हटाने और घटना की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित करने का आदेश दिया है किसी मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकारी तंत्र की नींद जरूर खुलती है, लेकिन तब तक किसी निर्दोष की जान जा चुकी होती है ।

SIR को लेकर उदयपुर में उबालः मुस्लिम मतदाताओं के नाम काटने का आरोप,

अंजुमन का कलेक्टर को ज्ञापन-स्वतः संज्ञान लेकर FIR की मांग



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर में चल रही SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया को लेकर मंगलवार को सियासी और सामाजिक माहौल गर्मा गया। अंजुमन तालीमुल इस्लाम, उदयपुर की कैबिनेट की ओर से जिला कलेक्टर को एक कड़ा ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया गया कि SIR के नाम पर मुस्लिम मतदाताओं के साथ अत्याचारपूर्ण मुहिम चलाई जा रही है और सुनियोजित तरीके से उनके नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं। ज्ञापन में इसे लोकतंत्र और संविधान की भावना के खिलाफ बताया गया। अंजुमन ने ज्ञापन में स्पष्ट किया कि नियमों के अनुसार किसी भी मतदाता का नाम बीएलए (Booth Level Agent) से पुष्टि के बिना नहीं काटा जा सकता, इसके बावजूद शहर के विभिन्न वार्डों में अन्य क्षेत्रों के लोग आकर नाम कटवाने की आवेदन प्रक्रिया चला रहे हैं, जिनके पीछे भाजपा नेताओं की भूमिका होने का आरोप लगाया गया। संस्था का कहना है कि कई मतदाताओं के पास सभी वैध दस्तावेज मौजूद होने के बावजूद उनके नाम हटाए जा रहे हैं या आपत्तियां दर्ज कराई जा रही हैं, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय में भय और असंतोष का माहौल बन रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के मताधिकार की गारंटी देता है, जबकि SIR प्रक्रिया का उद्देश्य सूची को शुद्ध करना है, न कि किसी विशेष समुदाय को इससे वंचित करना। अंजुमन ने चेताया कि यदि इस तरह की कार्रवाइयों पर तत्काल रोक नहीं लगी, तो इससे सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक व्यवस्था को गहरी चोट पहुंचेगी। अंजुमन तालीमुल इस्लाम ने जिला कलेक्टर से मांग की कि वे इस पूरे प्रकरण में स्वतः संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराएं, अनावश्यक रूप से नाम काटने पर तत्काल रोक लगाई जाए, हटाए गए मतदाताओं को उचित सुनवाई का अवसर दिया जाए और संबंधित अधिकारियों को भेदभाव रहित कार्यवाही के स्पष्ट निर्देश जारी हों। इसके साथ ही ज्ञापन में यह भी मांग रखी गई कि शहर विधायक ताराचंद जैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए, ताकि SIR प्रक्रिया के कथित दुरुपयोग की सच्चाई सामने आ सके।

उदयपुर में 4 दिवसीय अध्यापक भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, 1.10 लाख से अधिक अभ्यर्थियों की भागीदारी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा का चार दिवसीय आयोजन उदयपुर शहर में पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और अनुशासित माहौल में संपन्न हो गया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया का असर परीक्षा आयोजन में साफ तौर पर देखने को मिला। शहरभर में बनाए गए सैकड़ों परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की भारी उपस्थिति रही और कहीं से भी अव्यवस्था या विवाद की सूचना नहीं मिली। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि चार दिनों तक विभिन्न विषयों और पारियों में आयोजित इस परीक्षा में उदयपुर शहर के 391 परीक्षा केंद्रों पर 1 लाख 10 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया। प्रशासन, पुलिस और शिक्षा विभाग के समन्वय से परीक्षा प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराया गया, जिससे अभ्यर्थियों को अनुकूल और सुरक्षित वातावरण मिला। मंगलवार को अंतिम दिन संस्कृत विषय की परीक्षाएं आयोजित की गईं। प्रातः 10 से 12:30 बजे तक आयोजित लेवल-1 संस्कृत परीक्षा में दो परीक्षा केंद्रों पर पंजीकृत 576 अभ्यर्थियों में से 486 उपस्थित रहे, जबकि 90 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार उपस्थिति प्रतिशत 84.38 प्रतिशत रहा। वहीं, दूसरी पारी में दोपहर 3 से 5:30 बजे तक आयोजित लेवल-2 संस्कृत परीक्षा में 18 परीक्षा केंद्रों पर पंजीकृत 5,840 अभ्यर्थियों में से 5,011 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 829 अनुपस्थित रहे। इस पारी में उपस्थिति 85.80 प्रतिशत दर्ज की गई। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा के दौरान सुरक्षा, यातायात और मूलभूत सुविधाओं की पुख्ता व्यवस्था की गई थी। समयबद्ध प्रवेश, सघन निगरानी और अनुशासन के चलते परीक्षा प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के पूरी हुई।

बेकाबू गैस पिकअप ने छीनी मासूम की सांसें, डेढ़ साल के बच्चे की दर्दनाक मौत से गांव में मातम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले के फलासिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। गैस सिलेंडर सप्लाई करने आई एक पिकअप वाहन की चपेट में आकर डेढ़ वर्षीय मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार यह दर्दनाक हादसा आमलिया क्षेत्र के भंवरिया फला में मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे हुआ। मासूम विवेक, पुत्र हीरालाल पारगी, अपने घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान गैस सिलेंडर लेकर आई पिकअप अचानक अनियंत्रित हो गई और पास ही स्थित स्कूल की बाउंड्री से जा टकराई। टक्कर के बाद चालक ने घबराहट और जल्दबाजी में वाहन को पीछे किया, जिससे पिकअप सीधे मासूम विवेक के ऊपर चढ़ गई। गंभीर रूप से घायल बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों के शोर मचाने पर चालक पिकअप को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया। परिजन तुरंत बच्चे को लेकर फलासिया अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गैस सिलेंडरों से भरी पिकअप को जब्त कर लिया। मासूम के शव को पोस्टमार्टम के लिए झाड़ोल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। फलासिया थानाधिकारी सीताराम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पिकअप पहले स्कूल की बाउंड्री से टकराई और फिर रिवर्स लेते समय यह हादसा हुआ। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है और संबंधित गैस एजेंसी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। मृतक विवेक चार बहनों में इकलौता भाई और सबसे छोटा बच्चा था। पिता हीरालाल पारगी खेती कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। बेटे की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंचे और गैस एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई, चालक की शीघ्र गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि लापरवाही से की जा रही गैस सप्लाई लोगों की जान पर भारी पड़ रही है।



झाड़ोल पुलिस की बड़ी कार्रवाईः पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी पति गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर | पुलिस थाना झाड़ोल ने पत्नी की हत्या के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर श्री योगेश गोयल के निर्देशानुसार तथा श्रीमती अंजना सुखवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा और श्री विवेकसिंड, वृत्ताधिकारी वृत्त झाड़ोल के सुपरविजन में की गई। थाना झाड़ोल में दर्ज प्रकरण के अनुसार, दिनांक 18.01.2026 को प्रार्थी श्री हगजी पिता बदा, निवासी बुझा, पुलिस थाना बाघपुरा जिला उदयपुर ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी पुत्री प्यारी का विवाह लगभग 15 वर्ष पूर्व पपुडा पिता कालु, निवासी गोदावाड़ा, ग्राम पंचायत दमाणा, तहसील झाड़ोल के साथ हुआ था। दंपती के चार संतानें हैं। कुछ समय पूर्व आरोपी पति द्वारा दूसरी महिला को पत्नी बनाकर घर लाने के कारण मृतका प्यारी नाराज होकर अपने पीहर गांव बुझा आ गई थी। मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर अपने बच्चों से मिलने के लिए 13.01.2026 को प्यारी पुनः अपने ससुराल गांव गोदावाड़ा गई थी। इसके बाद 17.01.2026 को परिजनों को सूचना मिली कि प्यारी की हत्या कर दी गई है और उसे झाड़ोल पुलिस द्वारा ले जाया गया है। परिजनों के झाड़ोल थाने पहुंचने पर जानकारी मिली कि 16.01.2026 को प्यारी और उसका पति पपुडा गांव कंथारिया आए थे और वापस जाते समय रास्ते में आरोपी पति ने मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। इस रिपोर्ट पर पुलिस थाना झाड़ोल में प्रकरण संख्या 16/2026, धारा 103 (1) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान थानाधिकारी श्री फैलीराम मीणा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी पपुडा उर्फ पप्पूलाल पिता कालु, निवासी गोदावाड़ा, थाना फलासिया, जिला उदयपुर को डिटेन कर गहन पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

गिरफ्तार आरोपीः

पपुडा उर्फ पप्पूलाल पिता कालु, निवासी गोदावाड़ा, फलासिया, उदयपुर।

पुलिस टीम (प्रभारी व सदस्य): श्री फैलीराम मीणा – थानाधिकारी, झाड़ोल श्री शंकरलाल डोडियार – सहायक उप निरीक्षक श्री बालकृष्ण – कांस्टेबल 2414 श्री ओमप्रकाश – कांस्टेबल 1173

श्री सुभाषचंद्र मीणा – कांस्टेबल 3124

श्री रौनक – कांस्टेबल 1693

श्री लक्ष्मीलाल – कांस्टेबल 3043

पांच दिन से लापता ढाई वर्षीय मासूम इशिका का कुएं में मिला शव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के मावली थाना क्षेत्र से मंगलवार को एक हृदयविदारक खबर सामने आई, जहां पांच दिन पूर्व लापता हुई ढाई वर्षीय बच्ची इशिका का शव एक कुएं में तैरता हुआ मिला। मृतका की पहचान इशिका, पिता भेरुलाल बंजारा, निवासी राजेला बंजारा बस्ती के रूप में हुई है। मासूम का शव मिलने की सूचना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के अनुसार, कुआं अधिक गहराई में होने के कारण शव निकालना स्थानीय स्तर पर संभव नहीं हो पाया। इसके बाद शाम करीब 5 बजे उदयपुर से राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग की रेस्क्यू टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर लगभग आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बच्ची के शव को कुएं से बाहर निकाला और मावली थाना पुलिस के सुपुर्द किया। रेस्क्यू ऑपरेशन में वाहन चालक प्रकाश राठौड़, गोताखोर विजय नकवाल, भवानी शंकर, विपुल चौधरी, कैलाश मेनारिया, नरेश चौधरी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की आशंका जताई जा रही है, हालांकि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। मासूम की असमय मौत से गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है।

बलीचा–प्रतापनगर हाईवे पर आज एक और सड़क हादसा, एक की मौत, एक गंभीर घायल



24 न्यूज अपडेट

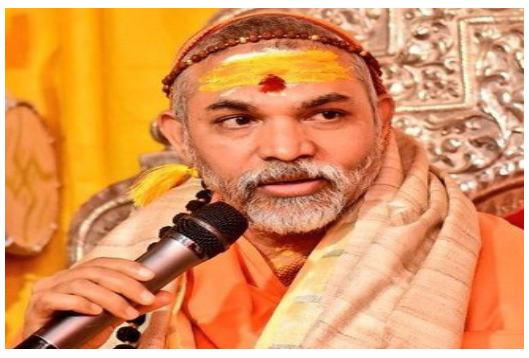
बलीचा–प्रतापनगर मार्ग पर मंगलवार को एक और गंभीर सड़क हादसा हो गया। बलीचा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने आगे चल रहे दो बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक की रफ्तार काफी अधिक थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे। घटना के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

गौरतलब है कि इसी मार्ग पर बीते तीन दिनों में लगातार सड़क हादसे सामने आ चुके हैं, जिनमें अब तक पांच लोगों की जान जा चुकी है। स्थानीय लोग लगातार सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -

desk24newsupdate@gmail.com

शंकराचार्य विवादः शिविर के बाहर नोटिस चस्पा, साबित करें आप शंकराचार्य ??



24 न्यूज अपडेट

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेले में सोमवार को उपजा विवाद अब प्रशासनिक कार्रवाई और संवैधानिक सवालों के केंद्र में आ गया है। रथ (पालकी) रोके जाने के विरोध में धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को माघ मेला प्रशासन ने औपचारिक नोटिस जारी कर दिया है। नोटिस में उनसे 24 घंटे के भीतर यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि वे स्वयं को किस आधार पर "शंकराचार्य" घोषित कर रहे हैं।

आधी रात की कार्रवाई, सुबह चस्पा हुआ नोटिस

सोमवार देर रात करीब 12 बजे माघ मेला क्षेत्र में कानूनगो अनिल कुमार शंकराचार्य के शिविर पहुंचे। उन्होंने शिष्यों से नोटिस रिसीव कराने को कहा, लेकिन शिष्यों ने यह कहकर नोटिस लेने से इनकार कर दिया कि रात में कोई अधिकृत व्यक्ति मौजूद नहीं है। मंगलवार सुबह कानूनगो दोबारा शिविर पहुंचे और मुख्य द्वार पर नोटिस चस्पा कर दिया गया। यह नोटिस प्रयागराज मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की ओर से जारी किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला नोटिस में सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के 14 अक्टूबर 2022 के आदेश का उल्लेख किया गया है। प्रशासन के अनुसार, जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठ से जुड़े विवाद में शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अंतिम फैसले तक किसी भी व्यक्ति को शंकराचार्य घोषित नहीं किया जा सकता और न ही किसी प्रकार का पट्टाभिषेक किया जा सकता है। प्रशासन का कहना है कि यह मामला अब भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और अब तक कोई संशोधित या नया आदेश पारित नहीं हुआ है। ऐसे में माघ मेले के दौरान शिविर में लगे बोर्ड पर स्वयं को "ज्योतिष्पीठ का शंकराचार्य" लिखना, अदालत के आदेश की अवहेलना की श्रेणी में आता है।

अविमुक्तेश्वरानंद का तेवर सख्त

इधर, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपने रुख पर अड़े हुए हैं। उन्होंने साफ कहा है कि जब तक मेला प्रशासन सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगता, वे आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने यह भी ऐलान किया कि वे हर माघ मेले में प्रयागराज आएंगे, लेकिन शिविर में नहीं—बल्कि फुटपाथ पर रहकर साधना करेंगे। धरने के दौरान उन्होंने वहीं पूजा-पाठ भी किया, जिसे उनके समर्थकों ने "धार्मिक अधिकारों पर हस्तक्षेप के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रतिरोध" बताया।

सियासी रंग भी चढ़ा

मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है। सोमवार शाम समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने फोन पर शंकराचार्य से बातचीत की और समर्थन का भरोसा दिया। उन्होंने जल्द मुलाकात की बात भी कही, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि यह विवाद अब केवल प्रशासन और संत समाज तक सीमित नहीं रहा।

मौनी अमावस्या से शुरू हुआ टकराव

इस पूरे घटनाक्रम की जड़ मौनी अमावस्या का दिन है, जब शंकराचार्य की पालकी को पुलिस ने संगम की ओर जाने से रोक दिया था। पुलिस का तर्क था कि भीड़ नियंत्रण के चलते पैदल जाना होगा, लेकिन शिष्य नहीं माने और पालकी आगे बढ़ाने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस और शिष्यों के बीच धक्का-मुक्की हुई, कई शिष्यों को हिरासत में लिया गया। इससे नाराज होकर शंकराचार्य धरने पर बैठ गए और शिष्यों की रिहाई की मांग करने लगे। हालात करीब दो घंटे तक तनावपूर्ण बने रहे। बाद में पुलिस ने और समर्थकों को हिरासत में लिया तथा पालकी को संगम से लगभग एक किलोमीटर दूर खींचकर ले जाया गया। इस दौरान पालकी का एक हिस्सा टूट गया और शंकराचार्य स्नान भी नहीं कर पाए।

अब सवाल कई

माघ मेला प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन की बात कर रहा है, वहीं शंकराचार्य इसे धार्मिक स्वतंत्रता और सम्मान से जोड़ रहे हैं। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि 24 घंटे की समयसीमा में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद क्या जवाब देते हैं और क्या यह मामला एक बार फिर अदालत की चौखट तक पहुंचेगा—या फिर सुलह की कोई राह निकलेगी।

राजस्थान यूथ कांग्रेस में बड़ा सर्जिकल फैसलाः पूरी प्रदेश कार्यकारिणी भंग

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस संगठन में मंगलवार को ऐसा फैसला हुआ, जिसे सिर्फ फेरबदल नहीं बल्कि संगठनात्मक सर्जरी के तौर पर देखा जा रहा है। अखिल भारतीय यूथ कांग्रेस ने राजस्थान यूथ कांग्रेस की पूरी प्रदेश कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। यह आदेश यूथ कांग्रेस के प्रभारी विकास छींकारा, सह-प्रभारी ज्ञानेश शुक्ला और कपिल देसाई के संयुक्त हस्ताक्षरों से जारी हुआ। आदेश में साफ कहा गया है कि यह निर्णय शीर्ष नेतृत्व के निर्देशों पर लिया गया है और प्रभारी की विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर यह कदम उठाया गया।

344 पदाधिकारी, पर संगठन ठहरा हुआ

सूत्रों के अनुसार, प्रदेश यूथ कांग्रेस की 344 पदाधिकारियों वाली जंबो कार्यकारिणी लंबे समय से अपेक्षित राजनीतिक और संगठनात्मक सक्रियता नहीं दिखा पा रही थी। धरना-प्रदर्शन, बैठकों और आंदोलनों में भागीदारी लगातार गिरती गई। संगठन नेतृत्व का आकलन था कि इतने बड़े ढांचे के बावजूद जमीनी ऊर्जा नजर नहीं आ रही।

नोटिस के बाद भी नहीं सुधरे हालात

करीब दो माह पहले संगठन ने 200 से अधिक निष्क्रिय पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे। बड़ी संख्या में पदाधिकारियों ने न तो जवाब दिया और न ही अपनी सक्रियता बढ़ाई। इसके उलट, गुटबाजी और आपसी खींचतान ने संगठन को और कमजोर किया। यही वह बिंदु था, जहां से हाईकमान ने सख्त रुख अपनाने का मन बनाया।

मनोनयन प्रयोग भी रहा असफल

पार्टी के भीतर यह भी चर्चा का विषय रहा कि करीब छह माह पहले चुनाव प्रक्रिया को दरकिनार कर बड़ी संख्या में मनोनयन किए गए थे। उम्मीद थी कि इससे संगठन को गति मिलेगी, लेकिन परिणाम इसके उलट रहे। यह प्रयोग विफल साबित हुआ और संगठनात्मक जड़ता बनी रही।

अंतरिम कमान, सीमित नेतृत्व

प्रदेश कार्यकारिणी भंग होने के बाद फिलहाल संगठन की जिम्मेदारी अभिमन्यु पूनिया (प्रदेश अध्यक्ष), यशवीर शूरा (कार्यकारी अध्यक्ष) और सुधींद्र मूंड (कार्यकारी अध्यक्ष) के हाथों में सौंपी गई है। यह अंतरिम व्यवस्था तब तक रहेगी, जब तक नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन नहीं हो जाता।

कलेक्ट्री में हाई-वोल्टेज ड्रामाः पेट्रोल की बोतल लिए किन्नर ने किया आत्मदाह की धमकी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला कलेक्ट्री परिसर में मंगलवार को अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब स्वीटी नामक एक किन्नर हाथ में पेट्रोल की बोतल लेकर आत्मदाह की चेतावनी देने पहुंच गई। किन्नर ने खुलेआम कहा कि यदि उसे कोई हानि होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। घटना से वहां मौजूद पुलिसकर्मी और आमजन दोनों ही स्तब्ध रह गए। जानकारी के अनुसार, स्वीटी पिछले कई सप्ताह से पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज थी। उसने आरोप लगाया कि लगभग एक महीने पहले उसने गोवर्धन विलास थाने, उदयपुर में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अभी तक उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी निराशा और न्याय न मिलने की भावना के चलते उसने आज कलेक्ट्री में आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया। स्वीटी अपनी फरियाद लेकर सीधे जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) से मिलने आई थी। हाथ में पेट्रोल की बोतल देख मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और उसे रोकने का प्रयास किया। काफी देर तक चली समझाइश और हंगामे के बाद पुलिसकर्मी उसे एसपी कार्यालय ले गए। जिला पुलिस अधीक्षक से मुलाकात और उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। पुलिस ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए संबंधित थाने से फीडबैक लेने और जांच तेज करने का भरोसा दिलाया। हंगामे के दौरान स्वीटी ने मीडिया और मौजूद लोगों के सामने कहा कि जब सुनवाई के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं, तभी इंसान ऐसे कदम उठाता है। उसने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य केवल न्याय की गुहार लगाना था और किसी को नुकसान पहुँचाना नहीं। यह घटना उदयपुर प्रशासन और पुलिस महकमे के लिए चेतावनी साबित हुई कि नागरिकों की शिकायतों को समय पर और प्रभावी ढंग से निपटाना कितना आवश्यक है।

सवीना फल–सब्जी मंडी में SMY युवाज की बैठक, 25 को रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की फल–सब्जी मंडी (सवीना) परिसर में मंगलवार को SMY युवाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 25 जनवरी (रविवार) को मंडी परिसर में रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। युवाज के दामोदर नारवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिविर अमर शहीद हेमू कालानी के शहादत सप्ताह के अवसर पर तथा मंडी व्यापारी स्वर्गीय सच्चानंद सचदेव की स्मृति में आयोजित किया जाएगा। शिविर के माध्यम से समाज में सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया जाएगा। शिविर संयोजक पवन कालरा ने बताया कि शिविर में रक्तदान के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. दीपमाला चौधरी, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. खुशबू अरोड़ा द्वारा परामर्श दिया जाएगा, वहीं हेल्थ वन हॉस्पिटल की ओर से ब्लड प्रेशर एवं शुगर की निःशुल्क जांच की जाएगी। साथ ही जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जाएंगी। बैठक में SMY युवाज से दामोदर नारवानी, पवन कालरा, बंटी मामनानी, जितेंद्र भैरवानी, हितेश मांदवानी, उमेश तलरेजा, गिरीश चुग, मुकेश रामेजा, सोनू रामेजा, राकेश माली, अशोक इसरानी, सुरेश मलानी, जॉनी खिलवानी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने शिविर को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहयोग का संकल्प लिया।

उदयपुर में सर्वधर्म स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन, सौहार्द और राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के पटेल सर्किल स्थित सर्वधर्म मैत्री संघ के तत्वावधान में आयोजित सर्वधर्म स्नेह मिलन समारोह सौहार्दपूर्ण और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह का उद्देश्य विभिन्न धर्मों के बीच आपसी प्रेम, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। मैत्री संघ के निर्देशक फादर राजू जी (SVD) ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के प्रतिष्ठित धर्मगुरुओं और समाजसेवियों ने अपने उद्बोधन में शांति, सद्भाव और सामाजिक समरसता पर सारगर्भित विचार रखे। सभी वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि विविधता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षाविद विमला सनाढ्य ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात साहित्यकार सरदार जगजीत सिंह निशात उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ अधिवक्ता निर्मल पंडित, लक्ष्मण सोलंकी, डॉ. इकबाल सागर, डॉ. राजकुमार, सिस्टर जोना, सिस्टर लमिता, सुनिला, यासिन खान, उमर फारुख, ओमान योना, सिस्टर रानी, अनुपा, शैनिला, सिस्टर अनुकानाल, स्टेला, सिस्टर पूनम, मिस्टर एनिसिता, सिस्टर जुलियट, सिस्टर फ्रान्सिन, राजू यसोटा, पास्टर लक्ष्मण, सरदार सुजान सिंह, प्रमिला फर्नांडिस और हरिश तलरेजा सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रख्यात शायर मुश्ताक चंचल ने किया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सर्वधर्म प्रार्थना गीत के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। समापन अवसर पर फादर राजू जी ने सभी अतिथियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए स्मृति चिन्ह और उपरणा भेंट कर सम्मानित किया।

अब हाथ से नहीं, सॉफ्टवेयर से बनेंगे MLC और पोस्टमार्टम रिपोर्ट

24 न्यूज अपडेट

1 फरवरी से अनिवार्य होगा MedLeaPR सॉफ्टवेयर का उपयोग; लापरवाही बरतने पर SHO और SP होंगे व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार

जयपुर 20 जनवरी। राजस्थान पुलिस अब अपनी कार्यप्रणाली को पूरी तरह पेपरलेस और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के आदेशों के क्रम में अब प्रदेश में मेडिकल लीगल केस (MLC) और पोस्टमार्टम रिपोर्ट (PMR) तैयार करने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होने जा रही है। आगामी 1 फरवरी, 2026 से राज्य के सभी पुलिस थानों और चिकित्सालयों में हस्तलिखित रिपोर्टों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

ऑनलाइन प्रक्रिया ही होगी मान्य

महानिरीक्षक पुलिस अपराध शाखा परम ज्योति ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने 17 नवंबर, 2025 को दिए अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया है कि भविष्य में सभी प्रकार की MLC और PMR प्रक्रिया केवल MedLeaPR Software और सीसीटीएनएस के माध्यम से ही संपादित की जाएगी। इस संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध और महानिरीक्षक पुलिस स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

अधिकारियों की तय होगी जिम्मेदारी

नए नियमों के अनुसार, यदि 01 फरवरी के बाद किसी भी प्रकरण में MLC या PMR रिपोर्ट हाथ से बनाई जाती है या सॉफ्टवेयर का उपयोग नहीं किया जाता है, तो इसके लिए संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों की सीधी जवाबदेही तय की गई है। इसके लिए संबंधित थानाधिकारी, अनुसंधान अधिकारी और संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक, जयपुर एवं जोधपुर के पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माने जाएंगे।

सीसीटीएनएस से सीधे डाउनलोड होंगी रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देशों के तहत अब MLC और PMR के सभी अनुरोध सीसीटीएनएस के माध्यम से ही जनरेट किए जाएंगे। डॉक्टरों द्वारा तैयार की गई अंतिम रिपोर्ट भी सीसीटीएनएस के जरिए ही डाउनलोड की जाएगी। इस व्यवस्था से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि कानूनी प्रक्रियाओं में मानवीय हस्तक्षेप और दस्तावेजों में हेरफेर की संभावना भी खत्म हो जाएगी।

स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के महानिरीक्षक अजय पाल लाम्बा ने समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों और आयुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्राधिकार में इन आदेशों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करें।

राजसमंद रायल्स बनी चैंपियन, मेवाड़–वागड़ खेल महोत्सव 2026 का समापन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मेवाड़–वागड़ खेल महोत्सव 2026 की क्रिकेट प्रतियोगिता में राजसमंद रायल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरएनटी स्पोर्ट्स क्लब उदयपुर को 10 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। जिला अध्यक्ष प्रवीण चरपोटा व प्रदेश सचिव लालचंद ऐचरा ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार हरीश कीर को प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन सचिन वैष्णव ने किया। महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं में कबड्डी में प्रेमलता गुर्जर टीम प्रथम व सोनिका शर्मा टीम द्वितीय रही। रस्सा कसी में सीमा चौधरी टीम प्रथम तथा नीता नवल टीम द्वितीय रही। महिला क्रिकेट में सुंदर सिंह भंडारी सेटेलाइट हॉस्पिटल टीम विजेता बनी। 100 मीटर दौड़ में 35 वर्ष तक मीरा लोढ़ा (चित्तौड़गढ़), 36–45 में मनीषा (चित्तौड़गढ़) व 46–55 में विमला साहू (आरएनटी क्वीन) प्रथम रहीं। 200 मीटर में 35 वर्ष तक मीरा लोढ़ा, 36–45 में मनीषा मीना (चित्तौड़गढ़) व 46–55 में विमला साहू (उदयपुर) विजेता रहीं। महिला प्रतियोगिताओं की व्यवस्था मंगला जोशी, शर्मिला माली, शाहीन बानो, निशा कुमावत, बिंदु मॉल, अर्चना भाटी, सकीला अंसारी, प्रेम गुर्जर, सुनीता खंडेलवाल, प्रतिभा वैष्णव, दीपिका सोनी, नीता नवल, पवन कुंवर, भावना लोहार, सुनीता सिंह ने संभाली। मुख्य अतिथि अनिल पंवार व दिनेश सोनी रहे। सम्पूर्ण खेल महोत्सव की व्यवस्था प्रवीण चरपोटा, लालचंद ऐचरा, सचिन वैष्णव, दिलीप यादव, गौरव सिंह राठौड़, कृष्ण अवतार गुप्ता, अभिषेक शर्मा, हुकमीचंद मीणा, दिनेश गुप्ता, नारायण सिंह राठौड़, नरेश पूर्बिया, जितेंद्र भटनागर, लोकेश आहरी, दीपक मेघवाल, भगवान सिंह गहलोत, भगवत सिंह, चंद्रप्रकाश सिसोदिया, कुलदीप कतीजा, दिनेश मीणा, राजेश मीणा, ओमप्रकाश मीणा, मनीष भनात, योगेश उपाध्याय, रमेश सोनी, राजू पांडोर ने की। यह जानकारी मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने दी।

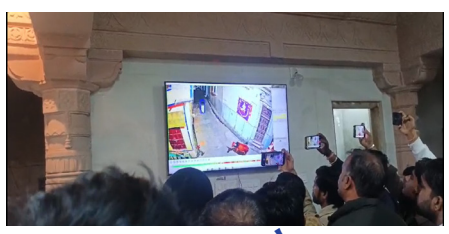
आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी (ईपी) लैब का शुभारंभ, हृदय की अनियमित धड़कन के इलाज को मिलेगी नई दिशा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. रविन्द्र नाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज और सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल उदयपुर के कार्डियोलॉजी विभाग में मंगलवार को अत्याधुनिक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी (ईपी स्टडी यूनिट) लैब का उद्घाटन किया गया। इस यूनिट में नवीनतम 2डी और 3डी मैपिंग तकनीक का प्रयोग किया जाता है और 3डी तकनीक वाली यह मशीन सम्पूर्ण दक्षिण राजस्थान में पहली है। इस नई सुविधा से उन मरीजों का सटीक परीक्षण और उपचार संभव होगा, जिनमें हृदय की धड़कन असामान्य रूप से तेज, धीमी या अनियमित रहती है। ईपी स्टडी तकनीक हृदय की विद्युत प्रणाली की गहराई से जांच कर प्रभावी उपचार सुनिश्चित करती है, जिससे गंभीर हृदय रोगियों को बड़ी राहत मिल सकेगी। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. विपिन माथुर ने उद्घाटन अवसर पर कहा कि यह सुविधा दक्षिण राजस्थान के हृदय रोगियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब मरीजों को उन्नत उपचार के लिए बड़े महानगरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि यह सुविधा डीएमएफटी फंड से प्राप्त 3.5 करोड़ रुपए की राशि से शुरू की गई है। डॉ. माथुर ने जिला कलेक्टर नमित मेहता और सभी जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद भी किया।

सलूंबरः मंदिर परिसर में गाय पर जलती तीलियां डालने की घटना से मचा हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी



24 न्यूज अपडेट

सलूंबर। शहर के नागदा मंदिर क्षेत्र में देर शाम एक शर्मनाक और संवेदनशील घटना सामने आई, जिसमें कुछ युवकों ने मंदिर परिसर में एक गाय पर जलती हुई तीलियां डाल दीं। यह पूरी वारदात मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना से क्षेत्रवासियों, गौ-सेवकों और विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों में गहरा आक्रोश फैल गया। जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब कुछ युवक मंदिर परिसर में पहुंचे और गाय पर तीलियां डालने लगे। जैन मंदिर के पुजारी ने युवकों को ऐसा करने से मना किया, लेकिन पुजारी के समझाने पर युवकों ने गाली-गलौज और हंगामा करना शुरू कर दिया। आसपास मौजूद लोगों ने स्थिति को काबू में किया और किसी बड़ी अनहोनी को रोका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और पकड़ के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास के लोगों व संदिग्ध युवकों से पूछताछ की। स्थानीय नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता घटना से आक्रोशित होकर पुलिस थाने पहुंचे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस उपाधीक्षक हरेम्ब जोशी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आमजन से संयम बनाए रखने और कानून-व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी कीमत पर शांति भंग नहीं होने दी जाएगी।

एसओजी का धमाका : 3212 पद, 9.40 लाख अभ्यर्थी और 3 भर्ती परीक्षाओं में हाई-टेक फर्जीवाड़ा, चयन बोर्ड के तकनीकी प्रमुख सहित 5 गिरफ्तार


शादान खान


विनोद कुमार गौड


प्रवीण गंगवाल


पूनम माथुर


संजय माथुर

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान की सरकारी भर्तियों की पवित्रता पर अब तक का सबसे बड़ा सवालिया निशान लग गया है। स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने तीन बड़ी भर्ती परीक्षाओं में हुए सुनियोजित और हाई-टेक फर्जीवाड़े का ऐसा पर्दाफाश किया है, जिसने चयन बोर्ड की कार्यप्रणाली, आउटसोर्सिंग सिस्टम और आंतरिक निगरानी पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। यह कोई साधारण नकल या पेपर लीक नहीं, बल्कि ओएमआर शीट्स से लेकर रिजल्ट जनरेशन तक पूरी डिजिटल चेन में की गई आपराधिक छेड़छाड़ का मामला है।

3 परीक्षाएं, 3212 पद और 9.40 लाख अभ्यर्थी एसओजी के अनुसार, वर्ष 2018 में आयोजित सुपरवाईजर (महिला अधिकारिता) सीधी भर्ती परीक्षा, प्रयोगशाला सहायक भर्ती परीक्षा, और कृषि पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा इन तीनों परीक्षाओं के लिए कुल 3212 पद थे, जिनके लिए 9,40,038 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। परीक्षाएं वर्ष 2019 में आयोजित हुईं। परिणाम तैयार करने की सबसे संवेदनशील प्रक्रिया—ओएमआर शीट्स की स्कैनिंग और डाटा प्रोसेसिंग—को गोपनीय मानते हुए आउटसोर्स फर्म 'राभव लिमिटेड', नई दिल्ली को सौंपा गया।

स्कैनिंग के बाद 'डिजिटल खेल'

एसओजी की जांच में सामने आया कि ओएमआर शीट्स की स्कैनिंग के बाद ही असली खेल शुरू हुआ। स्कैन की गई ओएमआर शीट्स के डिजिटल डाटा में जानबूझकर छेड़छाड़ की गई। चुनिंदा अभ्यर्थियों के अंकों को कूटरचित तरीकों से बढ़ाया गया। अयोग्य अभ्यर्थियों को मेरिट में ऊपर पहुंचाकर चयनित करा दिया गया। जब राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने मूल ओएमआर शीट्स की पुनः स्कैनिंग कराई, तो परिणामों में भयानक विसंगतियां सामने आईं—यहीं से पूरे षड्यंत्र की परतें खुलनी शुरू हुईं।

तकनीकी प्रमुख ही निकला 'मुख्य सूत्रधार'

इस प्रकरण का सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि जिस अधिकारी पर पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता की जिम्मेदारी थी, वही इस षड्यंत्र का मुख्य कर्ताधर्ता निकला। एसओजी के अनुसार, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड में तत्कालीन उप निदेशक (सिस्टम एनालिस्ट-कम-प्रोग्रामर) एवं तकनीकी प्रमुख संजय माथुर—जो ओएमआर स्कैनिंग और रिजल्ट जनरेशन के प्रभारी थे— अपने पद का दुरुपयोग कर स्कैनिंग टीम और आउटसोर्स फर्म के कर्मचारियों से मिलीभगत करते हुए अपने परिचित अभ्यर्थियों को अवैध लाभ पहुंचा रहे थे।

फोटोशॉप से बदले उत्तर, अंकों में 'जादुई उछाल'

जांच में यह भी उजागर हुआ कि ओएमआर शीट्स की स्कैन कॉपी में फोटोशॉप जैसे सॉफ्टवेयर के माध्यम से सही उत्तर बाद में भरे गए। सबसे सनसनीखेज उदाहरणः अभियुक्त पूनम माथुर को वास्तविक रूप से करीब 63 अंक मिलने थे, लेकिन फर्जीवाड़े के जरिए परिणाम में उसे 182 अंक दिखा दिए गए। इसी तरह कई अभ्यर्थियों के वास्तविक 30–50 अंकों को बढ़ाकर 185 से अधिक अंक दर्शाए गए, जिससे वे सीधे चयन सूची में पहुंच गए।

जांच समिति में ही बैठा दिया गया मुख्य आरोपी

भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा यहीं खत्म नहीं होती। एसओजी जांच में सामने आया कि जब इस फर्जीवाड़े की जांच के लिए चयन बोर्ड ने प्रशासनिक समिति बनाई, तो उसी समिति में मुख्य सूत्रधार संजय माथुर और सह अभियुक्त प्रवीण गंगवाल को सदस्य बना दिया गया। यानी, जांच की कुर्सी पर ही आरोपी बैठा था, ताकि साक्ष्यों को प्रभावित किया जा सके और सच बाहर न आए।

5 आरोपी गिरफ्तार, और भी बड़े नामों की आशंका

एसओजी के उप महानिरीक्षक परीस देशमुख के पर्यवेक्षण में, अनुसंधान अधिकारी यशवंत सिंह द्वारा की गई गहन जांच के बाद अब तक पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है— गिरफ्तार अभियुक्तों में शादान खान, विनोद कुमार गौड़, श्रीमती पूनम माथुर संजय माथुर – तत्कालीन उप निदेशक (सिस्टम एनालिस्ट), राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, प्रवीण गंगवाल – प्रोग्रामर, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जांच में यह भी प्रमाणित हुआ है कि बोर्ड के कार्मिकों ने न केवल अपने परिचितों को चयनित कराया, बल्कि आउटसोर्स फर्म के कर्मचारियों के जरिए अन्य अभ्यर्थियों से लाखों रुपये की अवैध रकम लेकर उनके परिणामों में भी हेराफेरी कराई।

किन धाराओं में केस

अब तक के अनुसंधान में अभियुक्तों के खिलाफ IPC की धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी, राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 1992 की धारा 3, 5, 6, तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66 और 84-बी के तहत अपराध प्रमाणित पाए गए हैं। एसओजी का कहना है कि अनुसंधान अभी जारी है और आने वाले दिनों में इस घोटाले का दायरा और भी बढ़ सकता है।

सवालों के घेरे में पूरी भर्ती प्रणाली

यह मामला सिर्फ पांच गिरफ्तारियों तक सीमित नहीं है। यह खुलासा सीधे-सीधे सरकारी भर्तियों में आउटसोर्सिंग सिस्टम, डिजिटल सुरक्षा, और आंतरिक निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करता है। लाखों मेहनती अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ हुए इस खेल ने साबित कर दिया है कि अगर सिस्टम के अंदर बैठा व्यक्ति ही भ्रष्ट हो, तो सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली प्रक्रिया भी ध्वस्त हो सकती है।

रस-रंग 2025-26: खेल, कला और नेतृत्व का उत्सव-तीन दिवसीय प्रतियोगिता का भव्य समापन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 20 जनवरी। राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संघटक माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय में सायंकालीन विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'रस-रंग 2025-26' का समापन उत्साह और उल्लास के साथ संस्थान के सभागार में हुआ। खेल मैदान से लेकर मंच तक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर आयोजन को यादगार बना दिया। समापन समारोह के प्रारंभ में अधिष्ठाता डॉ. एस.बी. नागर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रस-रंग केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मंच है।

खेलों से मिलता है जीवन को दिशा देने का आत्मविश्वास

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि विद्यार्थियों का समग्र विकास केवल पुस्तकीय ज्ञान से संभव नहीं है। शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल और सह-शैक्षणिक आयोजनों में भागीदारी से शरीर स्वस्थ रहता है और व्यक्तित्व में निखार आता है। उन्होंने कहा कि खेलों से टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और धैर्य विकसित होता है, जो जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

खेल प्रतियोगिताओं के परिणाम

तीन दिनों तक चले खेल मुकाबलों में विद्यार्थियों ने दमखम और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड़: पुरुष वर्ग – सुभाष चंद मीणा, महिला वर्ग – रवीना डांगी, 400 मीटर दौड़: गिरिराज उपाध्याय, रवीना डांगी, गोला फेंक: सचिन कुमार, रीना कुमारी, लंबी कूद: सूरज शर्मा, भाविका कंवर, तश्तरी फेंक: सचिन कुमार, रीना कुमारी, वॉलीबॉल: सुमित पालीवाल, क्रिकेट प्रतियोगिता: गिरिराज उपाध्याय की टीम प्रथम रही

सांस्कृतिक और बौद्धिक प्रतियोगिताओं में भी चमके विद्यार्थी

रस-रंग 2025-26 में खेलों के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों में भी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई— मेहंदी: कविता त्रिपाठी, रंगोली: हिनल टेलर, आशुभाषण: सोनू राठौड़, एकल गायन: हर्षित पालीवाल समूह नृत्य: तेजस्वी, शतरंज: अमित यादव, गरिमा गर्ग, कैरम: विक्रम कुमार बरेरा, शैली सोलंकी, शिक्षक-कर्मचारी और विद्यार्थियों की रही सक्रिय भागीदारी, इस अवसर पर डॉ. युवराज सिंह राठौड़, डॉ. विनस व्यास, डॉ. जयसिंह जोधा, डॉ. हितेश गंधर्व, बलिराम, डॉ. भावना, डॉ. शिवांगी, ठाकुर वर्मा, प्रभा चतुर्वेदी, डॉ. नेहा, ममता, नीलू, किरण, अनीता, अजयपाल, पुरखा राम, पुनीत, सुशील कुमार सचान, डॉ. धीरेन्द्र, डॉ. दीपेश वत्स, मूर्तजा अली, इंद्र लौहार, रमेश सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिन्द) की राज्य व ज़िला कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उर्दू भाषा के विकास, स्त्री शिक्षा के सशक्तिकरण और क़ौमी एकता के उद्देश्य को लेकर अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिन्द) की राज्य और ज़िला कार्यकारिणी (उदयपुर) का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ लेखिका प्रोफ़ेसर सरवत ख़ान ने की। इस अवसर पर पहली बार अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिन्द) राजस्थान की राज्य स्तरीय कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। प्रोफ़ेसर सरवत ख़ान ने बताया कि अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू उदयपुर वर्ष 2013 से साहित्यिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था द्वारा उर्दू के साथ-साथ हिन्दी, राजस्थानी, संस्कृत और अंग्रेज़ी भाषाओं में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के फ़ेस्टिवल, मुशायरे, सेमिनार, वर्कशॉप और संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती रही हैं। साथ ही युवाओं और महिलाओं के लिए तीन माह की निःशुल्क उर्दू कक्षाएँ नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं।

अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू की शाखाएँ देश के लगभग सभी राज्यों में सक्रिय हैं। राजस्थान के दस ज़िलों में इसकी शाखाएँ कार्यरत हैं। संस्था का मुख्य कार्यालय दिल्ली में स्थित है और यह लगभग दो सौ वर्ष पुरानी पंजीकृत साहित्यिक संस्था है।

उदयपुर ज़िला कार्यकारिणी

संरक्षकः अजय मेहता, प्रोफ़ेसर सरवत ख़ान, आबिद आदिब, अध्यक्षः शब्बीर के. मुस्तफ़ा, कार्यकारी अध्यक्षः डॉ. स्मिता सिंह, दीपक सुखाड़िया, उपाध्यक्षः बसंत सिंह सोलंकी, ज़ोहरा ख़ान, अकबर, रुख़्शी शेख़, महासचिवः उमर फ़ारूख़ ओमान, गौरव सिंघवी, मनोज गीतांकर, सचिवः शाइस्ता संयुक्त सचिवः डॉ. आफ़रीन शब्बर, डॉ. तरन्नुम मंसूरी, डॉ. फ़रीद, कोषाध्यक्षः डॉ. सिद्दीक़ा हुसैन, फ़िरदौस कार्यकारिणी सदस्यः ज़ाहिद मोहम्मद, अनीस, जगवीर सिंह, कविश, सुनील टांक, राज्य स्तरीय

कार्यकारिणी (राजस्थान)

संरक्षकः जे. के. तालिया, अध्यक्षः प्रोफ़ेसर सरवत ख़ान, उपाध्यक्षः डॉ. शौकत परवीन, इक़बाल सागर, डॉ. हुसैन रज़ा ख़ान (जयपुर), हरीश तलरेजा, प्रोफ़ेसर सुधा चौधरी, सचिवः डॉ. प्रेम सिंह भंडारी, संयुक्त सचिवः प्रोफ़ेसर जैनब बानो, ज़ोहरा आबिद, डॉ. कुलसुम बानो, प्रोफ़ेसर सौलत अली ख़ान (टोंक) कोषाध्यक्षः शंकर लाल चौधरी, कार्यकारिणी सदस्यः प्रोफ़ेसर फ़रहत बानो, डॉ. हिना ख़ान, प्रोफ़ेसर सरिता चाहर, रजनी कुलश्रेष्ठ, असग़र अली

उदयपुर में मुक्केबाजी का महाकुंभ, 'राणा सांगा ट्रॉफी' नेशनल ओपन बॉक्सिंग चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर एक बार फिर राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर केंद्र में आ गई है। राजस्थान एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन एवं उदयपुर एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'राणा सांगा ट्रॉफी' नेशनल ओपन जूनियर/यूथ (महिला एवं पुरुष) बॉक्सिंग चैंपियनशिप–2026 का आज भव्य एवं गरिमामय आगाज हुआ। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से उभरते मुक्केबाज अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन करेंगे। चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाता है, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा भी देता है। उन्होंने कहा कि ऐसी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से स्थानीय खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलता है। समारोह में इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन, नई दिल्ली के महासचिव राकेश ठाकरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि 'राणा सांगा ट्रॉफी' जैसी प्रतियोगिताएं भारतीय मुक्केबाजी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दीपेन्द्र सिंह चौहान ने की। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि इस चैंपियनशिप में देश के विभिन्न राज्यों से आए जूनियर और यूथ वर्ग के महिला एवं पुरुष मुक्केबाज भाग ले रहे हैं, जिससे मुकाबले बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक होंगे। उद्घाटन समारोह में खेल प्रेमियों, प्रशिक्षकों, संघ पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की मौजूदगी रही। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह, जोश और खेल भावना का माहौल देखने को मिला। आने वाले दिनों में होने वाले मुकाबलों को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है, वहीं उदयपुर के लिए यह आयोजन खेल पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भक्त शिरोमणी माँ श्री यादे की जयंती श्रद्धा और उल्लास से मनाई गई, 101 कलशों के साथ निकली भव्य शोभायात्रा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रजापत समाज की कुलदेवी भक्त शिरोमणी माँ श्री यादे की जयंती इस वर्ष भी परंपरा, आस्था और सामाजिक एकता के साथ मेवाड़ा प्रजापत समाज संस्थान, कैलाशपुरी (उदयपुर) के तत्वावधान में बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के गाँव-गाँव से बड़ी संख्या में समाजजन, महिलाएँ, युवा और बच्चे शामिल हुए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। जयंती समारोह के अंतर्गत महिलाओं द्वारा 101 कलशों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो सरोवर से प्रारंभ होकर मंदिर परिसर तक पहुँची। शोभायात्रा के दौरान भजनों, जयकारों और पारंपरिक उल्लास ने माहौल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके पश्चात् माँ श्री यादे की महाआरती की गई, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। महिलाओं, बच्चों और युवाओं में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मेवाड़ा प्रजापत समाज संस्थान कैलाशपुरी के संरक्षक श्री बंशीलाल, अध्यक्ष प्रकाश, सचिव कैलाश, महामंत्री रामलाल, कोषाध्यक्ष राजेश सहित समाज के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं युवा इकाई से युवा अध्यक्ष धीरज, युवा महामंत्री विष्णु, अशोक, पिंकेश और मुकेश ने समाज के भामाशाहों एवं वरिष्ठजनों का उपरना पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर भोजन प्रसादी के भामाशाह श्री रमेश जी परावल रहे। मंदिर परिसर में ही प्रसादी की व्यवस्था की गई, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। आयोजन में संपूर्ण चोखले से सेकंडों समाजजन उपस्थित रहे, जिससे यह जयंती समारोह सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया। माँ श्री यादे की जयंती का यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि प्रजापत समाज की संस्कृति, परंपरा और संगठनात्मक शक्ति को भी सशक्त रूप से प्रदर्शित करता नजर आया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक -सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।